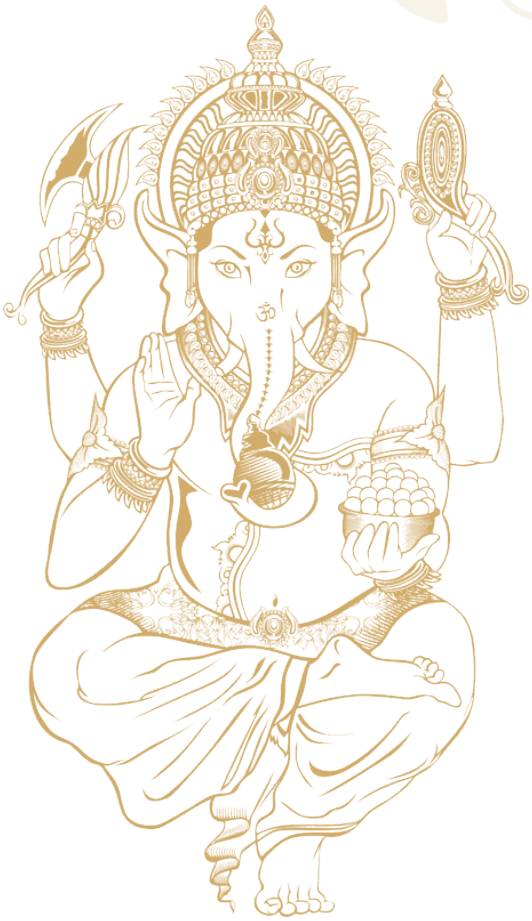

ABHISHEK

NEHA

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119719901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119719901 Date: 10/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/01/2001	जन्म तिथि	05/02/2003
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:45:00	जन्म समय	16:35:00 घंटे
घटी 25:15:38	जन्म समय(घटी)	25:03:27 घटी
India	देश	India
Daltonganj	स्थान	Lesliganj
24:02:00 उत्तर	अक्षांश	24:02:56 उत्तर
84:04:00 पूर्व	रेखांश	84:12:43 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:16	स्थानिक संस्कार	00:06:51 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:44	सूर्योदय	06:33:03
17:30:25	सूर्यास्त	17:41:27
23:52:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:47
मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	मीन
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
अनुराधा	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
शनि	नक्षत्र स्वामी	शनि
3	चरण	2
वृद्धि	योग	सिद्ध
बव	करण	विष्टि
नू-नूर	जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 9वर्ष 4मा 24दि		26:31:18	मिथु	लग्न	कर्क	08:37:09	शनि 11वर्ष 2मा 12दि	
बुध		05:34:49	मक	सूर्य	मक	22:19:44	बुध	
14/06/2010		10:04:13	वृश्चि	चंद्र	मीन	08:48:22	19/04/2014	
15/06/2027		21:42:38	तुला	मंगल	वृश्चि	18:31:31	20/04/2031	
बुध	10/11/2012	20:47:22	मक	बुध	धनु	27:01:42	बुध	15/09/2016
केतु	07/11/2013	07:22:48	वृष व	गुरु व	कर्क	18:47:41	केतु	12/09/2017
शुक्र	07/09/2016	22:39:26	कुंभ	शुक्र	धनु	07:07:15	शुक्र	13/07/2020
सूर्य	15/07/2017	00:13:16	वृष व	शनि व	वृष	28:30:12	सूर्य	20/05/2021
चन्द्र	14/12/2018	21:38:04	मिथु	राहु व	वृष	11:48:26	चन्द्र	19/10/2022
मंगल	11/12/2019	21:38:04	धनु	केतु व	वृश्चि	11:48:26	मंगल	16/10/2023
राहु	30/06/2022	25:44:52	मक	हर्ष	कुंभ	04:11:48	राहु	05/05/2026
गुरु	05/10/2024	12:08:17	मक	नेप	मक	16:58:30	गुरु	10/08/2028
शनि	15/06/2027	20:30:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:28:53	शनि	20/04/2031

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:03 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:47

लग्न-चलित

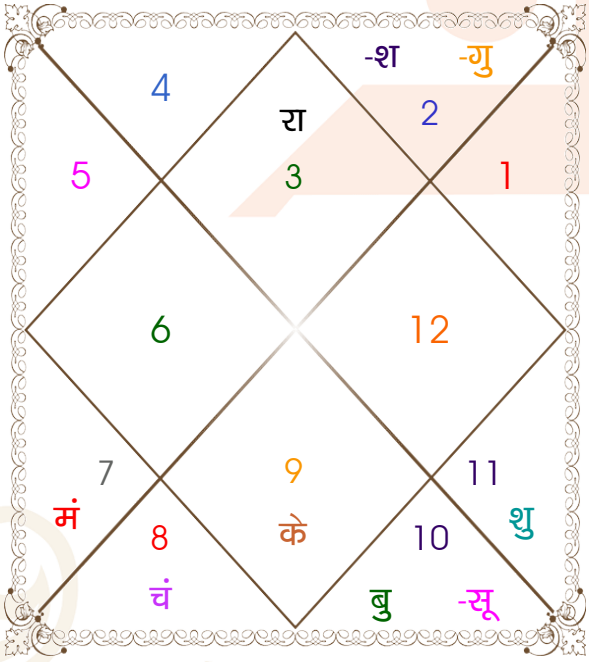

लग्न-चलित

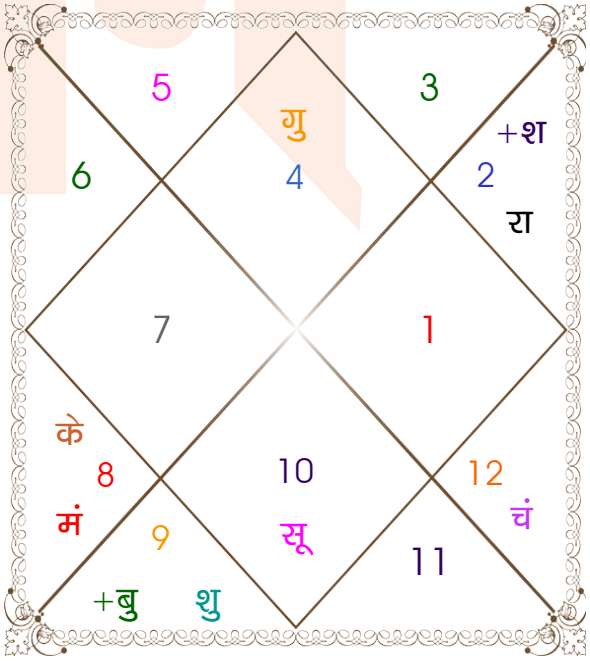

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36

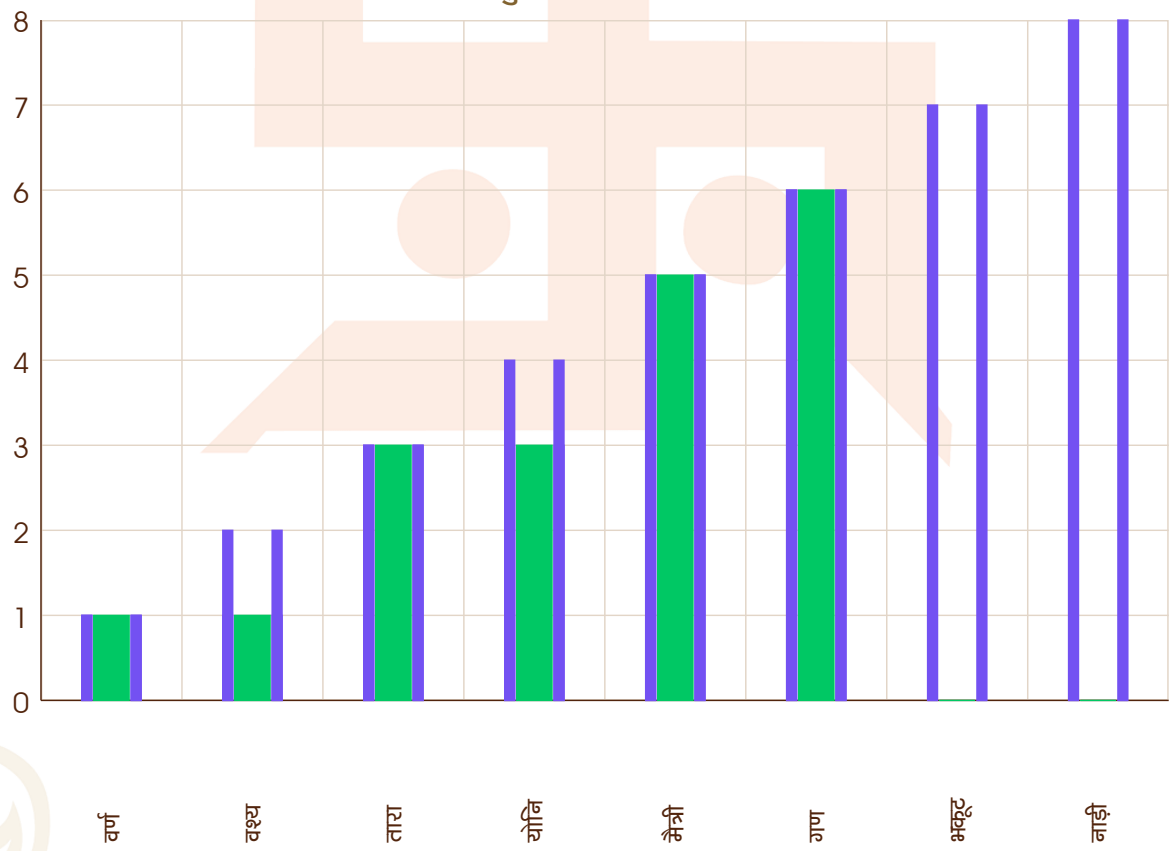

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ का वर्ग सर्प है तथा NEHA का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।ठभ्भ्भ्ज्ञ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

NEHA मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ तथा NEHA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।ठभ्भ्भ्ज्ञ का वर्ण ब्राह्मण तथा NEHA का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

।ठभ्भ्भ्ज्ञ का वश्य कीट है एवं NEHA का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट आपस में न तो मित्र होते हैं और न ही शत्रु। अतः कीट ।ठभ्भ्भ्ज्ञ एवं जलचर NEHA के बीच वैवाहिक संबंध उदासीनता तथा प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। जिसके कारण इनका जीवन नीरस हो सकता है। अधिकांश समय दोनों समझौता करके तालमेल बनाने में व्यतीत करेंगे किंतु डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है अतः ।ठभ्भ्भ्ज्ञ यदा-कदा अस्वाभाविक व्यवहार कर सकता है जिससे NEHA शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आहत हो सकती है।

तारा

।ठभ्भ्भ्ज्ञ की तारा जन्म तथा NEHA की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

।ठभ्भ्भ्ज्ञ की योनि मृग है तथा NEHA की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।ठभ्भ्भ्ज्ञ एवं NEHA दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ।ठभ्भ्भ्ज्ञ एवं NEHA के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ।ठभ्भ्भ्ज्ञ एवं NEHA जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

।ठभ्भ्भ्ज्ञ का गण देव तथा NEHA का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु NEHA अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

।ठभ्भ्भ्ज्ञ से NEHA की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा NEHA से ।ठभ्भ्भ्ज्ञ की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण NEHA को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

।ठभ्भ्भ्ज्ञ की नाड़ी मध्य है तथा NEHA की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में ।ठभ्भ्भ्ज्ञ एवं NEHA का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

।ठभ्भ्भ्ज्ञ की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा NEHA की राशि जलतत्व युक्त मीन है। अतः इसके प्रभाव से इनकी स्वभावगत विशेषताओं में समता रहेगी तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा NEHA की जन्म राशि का स्वामी गुरू परस्पर मित्र भाव में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA के मध्य प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे एवं सच्चे मित्र की भांति गलतियों की उपेक्षा करके मधुर संबंध बनाए रखेंगे जिससे ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA की जन्म राशि परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्र के अनुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA के मध्य श्रेष्ठता एवं अंहकार के भाव की उत्पति होगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव एवं कटुता का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के प्रति विरोध एवं आलोचना के भाव का भी दृष्टिकोण रहेगा। अतः यदि ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA परस्पर सामंजस्य की प्रवृति से व्यवहार करें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा उनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ का वश्य कीट तथा NEHA का वश्य जलचर है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समता का भाव विद्यमान रहेगा। अतः काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे ।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमता समान होगी तथा शैक्षणिक धार्मिक एवं अन्य सत्कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में भी सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से ।ठभ्भ्भ्ज्ञ को धातु संबंधी तथा NEHA को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

उचित समय पर संतति प्राप्ति की दृष्टि से ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA का मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से संतति प्राप्ति में विलम्ब होगा तथा बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी असामान्य रहेगा जिससे उनके पालन पोषण में उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ेगा लेकिन संतति में उनकी पुत्र तथा कन्याओं की संख्या समान होगी।

NEHA के प्रसव को सामान्य रूप से सम्पन्न होने में किंचित समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः NEHA को चाहिए कि गर्भावस्था के समय अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखें तथा नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण करवाती रहें। यदि इसका NEHA सावधानी पूर्वक पालन करेंगी तो पुनः इस समस्या से सुरक्षित हो सकेंगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देंगी।

।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA अपने बच्चों की उत्साह जनक प्रगति से सन्तुष्ट रहेंगे तथा बच्चे अपनी योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में सफलता तथा प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। इससे अन्य सामाजिक लोग भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न होंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में सम्मान तथा आज्ञा पालन का भाव विद्यमान होगा परन्तु माता की अपेक्षा पिता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ।ठभ्भ्भ्ज्ञ और NEHA का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

NEHA के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत NEHA के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

NEHA अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार NEHA के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

।ठभ्भ्ैभ्म्ज्ञ के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा ।ठभ्भ्ैभ्म्ज्ञ अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी ।ठभ्भ्ैभ्म्ज्ञ का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में ।ठभ्भ्ैभ्म्ज्ञ का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि ।ठभ्भ्ैभ्म्ज्ञ तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में ।ठभ्भ्ैभ्म्ज्ञ के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।